जिला :- जालोर

12. जालौर

⇒ उपनाम :- जाबालिपुर, ग्रेनाइट सिटी, सुवर्णनगरी
→ महर्षि जाबालि की तपो भूमि होने के कारण इस भूमि को जाबालिपुर कहा जाता था।

→ राज० के प्रथम गौ-मूत्र बैंक की स्थापना सांचौर (जालौर) में
→ राज० की सबसे बड़ी दुग्ध डेयरी रानीबाड़ा (जालौर) में
→ जालौर के भीनमाल स्थान पर चीनी यात्री ह्वेनसांग आया था।
→ राज० में सर्वाधिक कोबरा सांप, तेन्दुआ व बटेर जालौर में पाई जाती है।
→ राज० का प्रथम भालू अभ्यारण्य जसवंतपुरा सुंधा माता क्षेत्र (जालौर-सिरोही) 20 जुलाई 2012 को स्थापित किया गया है।
→ राज० में सर्वाधिक ग्रेनाइट जालौर में
→ राज० का प्रथम रोपवे जालौर में
→ जालौर जिले में गोड़वाड़ी भाजा बोली जाती है।
→ राज० में सर्वाधिक ईसबगोल (घोड़ा जीरा) जालौर में
→ —— " —— अरण्डी —— " ——
→ —— " —— टमाटर —— " ——
→ —— " —— बेदाना अनार —— " ——
→ —— " —— जीरा —— " ——
→ राज० में न्यूनतम साक्षरता जालौर जिले की है। (55.58%)
→ राज० में न्यूनतम महिला साक्षरता जालौर जिले की।

⇒ भीनमाल :-
→ भीनमाल कवि माघ की जन्म स्थली है।
→ कवि माघ को राजस्थान का कालीदास कहते हैं।
→ कवि माघ ने शिशुपाल वध नामक महाकाव्य की रचना की थी।
→ यह वही प्रसिद्ध स्थल है जहाँ चीनी यात्री ह्वेनसांग आया था।

→ महिषासुर मर्दिनी का मंदिर जालौर में।
→ सांचौर (जालौर) को राजस्थान का पंजाब कहा जाता है क्योंकि यहाँ पर राजस्थान की पाँच नदियाँ आपस में मिलती है।
→ सुन्धा माता का मंदिर जालौर जिले में अरावली पर्वतमाला पर
→ रानीबाग नामक स्थान जालौर में है जहाँ राजस्थान की सबसे बड़ी दुग्ध डेयरी है।

Scanned by CamScanner

Date ___/___/_____ Page No.: _____

→ सेवड़िया पशु मेला जालौर में लगता है।

⇒ जालौर का दुर्ग :-

→ निर्माण नागभट्ट प्रथम द्वारा सुकड़ी नदी के तट पर।

→ उपनाम :- सोनगढ़, कनकाचल, सुवर्ण गिरी

→ कवि पद्मनाभ द्वारा रचित कान्हड़ दे प्रबंध नामक काव्य रचना में जालौर दुर्ग का वर्णन मिलता है।

→ इसी दुर्ग के पास मल्लिकशाह पीर की दरगाह स्थित है।

→ जालौर दुर्ग पर अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 ई० में आक्रमण किया और कान्हड़ देव को हराकर दुर्ग पर अधिकार कर लिया।

→ जालौर किले में ही अलाउद्दीन की मस्जिद भी स्थित है। यह राजस्थान की सबसे प्राचीन मस्जिद है।

BEST SUCCESS POINT
Choose BEST, Be BEST

Scanned by CamScanner